आंगनबाड़ी में इस्तेमाल होगा बीपीएल का अनाज

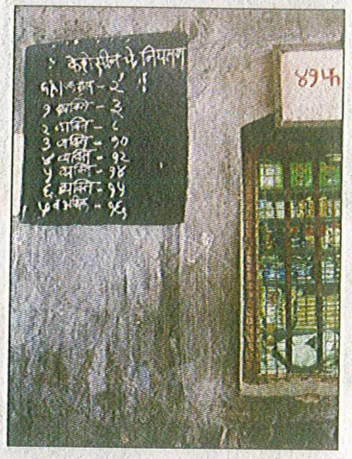

- प्रयोग के तौर पर 18 बाल विकास परियोजनाओं में होगा उपयोग
- गेहूं पर 9 व चावल पर 8 रुपये किलो की बचत
- अंतर राशि पूरक पोषाहार में ही खर्च होगी

पटना, जागरण ब्यूरो : राज्य सरकार आंगनबाड़ी केन्द्रों में गरीबों को कम कीमत पर मिलने वाला अनाज उपलब्ध करायेगी। बीपीएल के इस अनाज की आपूर्ति से पैसे की बचत का इस्तेमाल 'मार्निंग स्नैक्स' (सुबह का नाश्ता) आदि पर किया जायेगा। प्रयोग के तौर पर राज्य के नौ प्रमंडलों के दो-दो, यानी कुल 18 बाल विकास परियोजनाओं में प्रारंभ करने का प्रस्ताव है।

समाज कल्याण विभाग के अनुसार हर आंगनबाड़ी केन्द्र पर पूरक पोषाहार के लिए 10975 रुपये निर्धारित मासिक दर के विरुद्ध खाद्यान्न यानी चावल- गेहूं के लिए 15 रुपये प्रति किलो निर्धारित है। केन्द्र सरकार राज्यों को गेहूं आधारित न्यूट्रिशन (डब्लूबीएनपी) कार्यक्रम के तहत बीपीएल दर पर अनाज उपलब्ध कराती है। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षा विभाग द्वारा बीपीएल दर पर गेहूं 5.22 रुपये किलो और 6.78 रुपये किलो चावल का मूल्य निर्धारित है। इसके अतिरिक्त 15 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए परिवहन व्यय का निर्धारण जिला प्रशासन द्वारा किये जाने का प्रावधान है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर डब्लूबीएनपी के तहत अनाज उपलब्ध कराने से गेहूं की खरीद में प्रति किलो करीब 9 रुपये एवं चावल की खरीद में करीब 8 रुपये किलो की बचत होगी। इस बचत का इस्तेमाल आंगनबाड़ी केन्द्रों पर लाभान्वितों को मार्निंग स्नैक्स आदि देने के लिए किया जा सकेगा। इससे पोषाहार की गुणवत्ता में वृद्धि के साथ लाभान्वितों के कुपोषण स्तर में सुधार में भी मदद मिलेगी।